असगर वजाहत की उपन्यास कला का समीक्षात्मक अध्ययन

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर को कला संकायांतर्गत हिन्दी विषय में पी–एच.डी. की उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध प्रबंध की

की

रुपरेखा

शोध निर्देशक
डॉ. बलजीत कौर
प्राध्यापक (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शोध छात्रा
श्रीमती संगीता पाटिल
शोध केन्द्र
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शोध केन्द्र
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

01 शोध प्रबंध का शीर्षक :-

"असगर वजाहत की उपन्यास कला का समीक्षात्मक अध्ययन"

02. भूमिका :-

हिन्दी साहित्य के समकालीन साहित्यकारों में एक विशेष उल्लेखनीय साहित्यकार है असगर वजाहत । असगर वजाहत का जन्म 5 जुलाई 1946 को फतेहपुर उत्तरप्रदेश भारत में हुआ था । उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. तक की पढ़ाई की । सन् 1968 में एक स्वतंत्र पत्रकार के रुप में काम किया । सन् 1971 में जामिया मिलिया इस्लामिया में हिन्दी विभाग में प्राध्यापक पद पर नियुक्त हुए । उन्होंने 1992 – 97 के बीच बुदापैश्त, हंगरी के ओत्वोश लौरेंड विश्वविद्यालय के यूरोपीय अध्ययन विभाग में अध्यापन कार्य किया और अमेरिका के कई विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिए । असगर वजाहत ने 2007 में बी.बी.सी. हिन्दी डॉट काम के अतिथि सम्पादक व रुप में कार्य किया है । वे प्रसिद्ध हिन्दी पत्रिका 'हंस' केलिए अतिथि सम्पादक भी रहे हैं । उनके लेख हिन्दी के महत्वपूर्ण समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं । लेखन के अतिरिक्त उनकी गहरी रुचि चित्रकला तथा फोटोग्राफी में भी है । उनकी दो एकल प्रदर्शनियाँ बुदापैश्त हंगरी और दिल्ली में हो चुकी है । 2007 में ही हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका आउटलुक ने उन्हें हिन्दी के दस श्रेष्ठ लेखकों में शुमार किया है । 1972-73 से फिल्मों में पटकथाएं भी लिख रहे हैं ।

कई साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठनों सहित कथा यू.के. के द्वारा हाउस ऑफ लॉर्ड्स लन्दन में 'कैसी आगी लगाई' के लिए सम्मानित किया जा चुका है ।

क्रमशः ..2..

कथा क्रम सम्मान, इंदु शर्मा कथा सम्मान आदि। विभिन्न सामाजिक – सांस्कृतिक संगठनों के साथ सक्रियता से काम कर रहे हैं। राष्ट्रोय श्रम संस्थान, दिल्ली, स्टेट रिसोर्स सेंटर, दिल्ली, सोसायटी फार पाट्रीसिपेट्री रिसर्च इन एशिया, 'पीस' दिल्ली आदि के साथ आदिवासी जीवन, महिलाओं की समस्याओं, प्रौढ़ शिक्षा, सांस्कृतिक मुद्दों आदि पर कार्यक्रम तथा कार्यशालाओं का आयोजन इन्हाने किया है।

उनकी प्रकाशित साहित्य कृतियों में तीन कहानी संग्रह, छः उपन्यास, छः नाटक, यात्रा संस्मरण, आत्मकथा और कई अन्य रचनाएँ शामिल है। 'कैसी आगी लगाई', 'बरखा रचाई', 'धरा अंकुराई' त्रयी उपन्यास के रुप में प्रकाशित हैं। इसके अलावा 'पहर दोपहर', 'सात आसमान', 'मनमाटी', 'चहारदार' लघु उपन्यास भी शामिल हैं। 'जिस लाहौर नहीं देख्या----' के एक हजार से अधिक प्रदर्शन देश-विदेश में हो चुके हैं। उनका नुक्कड नाटकों का संग्रह 'सबसे सस्ता गोश्त' भी प्रदर्शित हो चुका है। उनकी कुल मिला कर अट्ठारह पुस्तकें प्रकाशित हुई है।

उन्होंने अपने उपन्यासों के माध्यम से विविधताओं से भरा जीवन पाठकों के सामने रखा है। उपन्यासों में विविध प्रसंग, पात्र, मानवीय मूल्य जिस तरह से खुलते हैं वह अत्यंत कलात्मक है। मानवीय सारोकारों, मानवीय गरिमा के पक्ष उपन्यासों में उद्घाटित होते हैं। असगर वजाहत ने उपन्यासों में विषय वस्तु में देश-विभाजन की त्रासदी, स्वतंत्र भारत – सामाजिक विकास की विडम्बना, मुस्लिम जीवन का चित्रण, इतिहास से मुठभेड़, सामंतवाद, साम्प्रदायिकता,छात्र-जीवन, राजनीति, महानगरों

की आपाधापी के साथ–साथ सामाजिक अर्न्तविरोधों से वैचारिक संघर्ष पाठकों के सामने आता है ।

उपन्यासकार असगर वजाहत उपन्यास में वर्तमान की समीक्षा भी करते हैं। उनके समग्र साहित्य में यथार्थ के दर्शन होते हैं । शाधकर्ता के रुप में मैने “असगर वजाहत की उपन्यास कला का समीक्षात्मक अध्ययन” विषय लिया है ।

इस शोध कार्य को निम्नलिखित अध्यायों के माध्यम से उनके गंतव्य तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा ।

अध्याय – 1 उपन्यास कला के आधारभूत तत्व

1.1 उपन्यास शब्द का अर्थ

1.2 उपन्यास की परिभाषाएँ

1.3 उपन्यास के तत्व

1.3.1 कथा वस्तु

1.3.2 पात्र

1.3.3 कथोपकथन

1.3.4 वातावरण

1.3.5 उद्देश्य

1.3.6 शिल्पविधान

अध्याय – 2: हिन्दी उपन्यास लेखन की परंपरा और डॉ. असगर वजाहत

2.1 हिंदी उपन्यास के उद्भव की पृष्ठभूमि

2.2 हिदी उपन्यास का विकास

2.2.1 प्रेमचंद पूर्व युग

2.2.2 प्रेमचंदयुगीन उपन्यास

2.2.3 प्रेमचंदोत्तरयुगीन उपन्यास

2.2.4 स्वातंत्र्योत्तर युगीन उपन्यास

2.2.5 साठोत्तरी उपन्यास

2.2.6 समकालीन उपन्यास

2.3 साठोत्तरी कथासाहित्य एवं डॉ. असगर वजाहत

अध्याय – 3 असगर वजाहत के जीवन व्यक्तित्व/कृतित्व का सामान्य परिचय

3.1 असगर वजाहत के जीवन की संक्षिप्त रुपरेखा

3.2 असगर वजाहत का कृतित्व

कहानी

उपन्यास

नाटक

यात्रावृतांत

संपादन

पत्रकारिता

टेलीविजन लेखन, पटकथा लेखन, फिल्म लेखन

अध्याय – 4 असगर वजाहत के उपन्यासों की तात्विक विवेचना

4.1 वस्तु विवेचन

4.2 चरित्रांकन

4.3 परिवेश चित्रण

4.4 उद्देश्य निरुपण

4.5 शिल्पविधान

अध्याय – 5 असगर वजाहत के उपन्यासों में चरित्र सृष्टि

5.1 चरित्रांकन की पद्धति

5.2 उपन्यासों के प्रमुख पात्र

5.3 उपन्यासों के गौण पात्र

अध्याय – 6 असगर वजाहत के उपन्यासों में संवाद कला का वैशिष्ट्य

6.1 उपन्यासों में कथोपकथन

6.1.1 दीर्घ संवाद

6.1.2 संक्षिप्त संवाद

6.1.3 क्लिष्ट संवाद

6.1.4 पात्रानुकूल संवाद

क्रमशः ..6..

<u>अध्याय –7 असगर वजाहत के उपन्यासों में परिवेश चित्रण</u>

7.1 उपन्यासों में चित्रित परिवेश

<u>अध्याय – 8 असगर वजाहत के उपन्यासों का प्रतिपाद्य</u>

8.1 उपन्यासों का प्रमुख प्रतिपाद्य

8.2 शोधकर्ता के मौलिक निष्कर्ष

परिशिष्ट – 1 आधार ग्रंथ सूची

परिशिष्ट – 2 संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट – 3 साक्षात्कार एवं पत्राचार

03. पूर्व में किये गये शोध कार्य की संक्षिप्त समोक्षा

असगर वजाहत के साहित्य पर कुछ शोधकार्य हो रहे हैं किंतु उनके उपन्यासों पर कोई शोधकार्य नहीं हुआ है। इसलिए शोधकर्ता के रुप में शोधकार्य के लिए मैंने असगर वजाहत के उपन्यासों का चयन किया है। उपन्यासों पर समीक्षात्मक अध्ययन करने की दृष्टि से प्रस्तावित शोधकार्य एक सार्थक प्रयास होगा।

04. सम्बन्धित क्षेत्र में किये गए महत्वपूर्ण कार्य –

असगर वजाहत के साहित्य पर "असगर वजाहत के साहित्य में साम्प्रदायिकता की समस्या" तथा "असगर वजाहत के साहित्य का समग्र मूल्यांकन" विषयों पर शाधकार्य हो रहे हैं। पर अभीतक उनके उपन्यासों पर शोधकार्य होना शेष है। अतः प्रस्तुत शोधकार्य के द्वारा उनके उपन्यासों के मूल्यांकन का प्रयास किया जाएगा।

क्रमशः ..7..

05. शोध कार्य में प्रस्तावित शोध प्रविधि –

संपूर्ण शोधकार्य को विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक, विवेचनात्मक, मूल्यांकन पद्धति एवं साक्षात्कार के माध्यम से पूर्णता देने का प्रयास किया जाएगा । साथ ही नवीनतम तकनीकी युक्तियों का प्रयोग किया जाना अपेक्षित है ।

06. प्रस्तावित शोध कार्य का प्रत्याशित निष्कर्ष –

इस शोध कार्य के माध्यम से समाज और उपन्यास साहित्य के बीच अन्र्तसम्बन्ध, जीवन की विशद व्याख्या का विस्तार तो होगा ही साथ ही राजनीति, युवावर्ग, साम्प्रदायिकता, सामंतवाद, स्वातंत्र्योत्तर राजनीति एंव इतिहास को नवीन दृष्टि से देखना भी संभावित होगा ।

परिशिष्ट – 1

आधार ग्रंथ सूची :–

उपन्यास :–

1. वजाहत, असगर. सात आसमान, नई दिल्लीः राजकमल प्रकाशन, 1996. (पहला संस्करण)
2. वजाहत, असगर. कैसी आगी लगाई, नई दिल्लीः राजकमल प्रकाशन, 2004.
3. वजाहत, असगर. पहर दोपहर, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2011 (पहला संस्करण).
4. वजाहत, असगर. मनमाटी, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2011 (पहला संस्करण).
5. वजाहत, असगर. चहारदार, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2011 (पहला संस्करण).
6. वजाहत, असगर. बरखा रचाई, नई दिल्लीः राजकमल प्रकाशन
7. वजाहत, असगर. धरा अंकुराई, नई दिल्लोः राजकमल प्रकाशन 2014 (पहला संस्करण).

कहानी संग्रह :–

8. वजाहत, असगर. मैं हिंदू हूँ, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2006.
9. वजाहत, असगर. आधी बानी, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2011 (पहला संस्करण).

10. वजाहत, असगर. डेमोक्रेसिया, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2013 (पहला संस्करण).

नाटक :–

11. वजाहत, असगर. 'इन्ना की आवाज', नई दिल्ली, प्रकाशन संस्थान 1986.

12. वजाहत, असगर. 'वीरगति', नई दिल्ली, प्रकाशन 1988.

13. वजाहत, असगर. 'सबसे सस्ता गोश्त', नई दिल्ली, गगन भारत 1990.

14. वजाहत, असगर. 'जिन लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याइ नई', नई दिल्ली, दिनमान प्रकाशन 1991.

यात्रा वृतांत :–

15. वजाहत, असगर. 'चलते तो अच्छा था', नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2008.

16. वजाहत, असगर. 'रास्ते की तलाश में', नई दिल्ली, भौतिक प्रकाशन 2012.

आत्मकथा :–

17. वजाहत, असगर. 'कहानी लिखने का कारण', नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2008.

18. वजाहत, असगर. 'टेलीफोन लेखन', नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन 2008.

19. वजाहत, असगर. 'पटकथा', नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2011.

परिशिष्ट–2

08. संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. अग्रवाल, प्रतिमा. भारत विभाजन और हिन्दी कथा साहित्य, इलाहाबाद, : जय भारती प्रकाशन, 1992.
2. अरोडा, डॉ. अतुलवीर. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास, पब्लिकेशन ब्यूरो, चण्डीगढ़, 1974.
3. अवस्थी, देवीशंकर. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, दिल्लीः राजकमल प्रकाशन, 1973.
4. बडोले, डॉ. भागीरथ. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी उपन्यास में मानव मूल्य और उपलब्धियाँ, स्मृति प्रकाशन, शहराबाग, इलाहाबाद, 1983
5. बांदिवाडेकर, चंद्रकांत. उपन्यास स्थिति और गति, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली, 1977.
6. बत्रा, डॉ. सुरेश. हिन्दी उपन्यास : बदलते परिप्रेक्ष्य, रचना प्रकाशन, जयपुर, 1991.
7. बिस्सा, कृष्ण कुमार 'चंद्र'. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में राजनीतिक चेतना, दिल्ली : दिनमान प्रकाशन, 1984.
8. चव्हाण, डॉ. अर्जुन. समकालीन उपन्यास का वैचारिक पथ, वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली 110002.

क्रमशः ..11..

9. देसाई, बापूराव. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास, कानपुर : विकास प्रकाशन, 2000.

10. झाल्टे, डॉ. दंगल. उपन्यासः समीक्षा के नए प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987.

11. मेघ, डॉ. रमेश कुणाल. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण

12. मिश्रा, डॉ. रामदरश. आज का हिन्दी साहित्य – संवेदना एवं दृष्टि, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली.

13. मिश्र, श्यामसुंदर. अस्तित्ववाद और समोत्तर हिन्दी साहित्य, नई दिल्ली : विद्या प्रकाशन मंदिर, 1971.

14. डॉ. नगेन्द्र. हिन्दी साहित्य का इतिहास, नई दिल्ली : नेश्नल पब्लिशिंग हाऊस, 1993.

15. रणसुभे, सूर्यनारायण. देश विभाजन और हिन्दी कथासाहित्य, कानपुरः संचयन 1987.

16. राय, विवेकी. हिन्दी कहानी : समीक्षा और संदर्भ, इलाहाबाद : राजीव प्राकाशन, 1985.

17. शर्मा, डॉ. कुसुम. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास–विविध प्रयोग, श्याम प्रकाशन, जयपुर, 1990.

18. शर्मा, डॉ. राम गोपाल. नट उपन्यास–स्वरुप और तत्व

19. शर्मा, डॉ. विमला. साठोत्तरी उपन्यासों में नारी के विविध रुप

क्रमशः ..12..

20. श्रीवास्तव, डॉ. परमानंद. उपन्यास का यथार्थ बोध एवं रचनात्मक भाषा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1976.

21. सिंह, डॉ. कुंवर पाल. हिन्दी उपन्यास : सामाजिक चेतना, पाण्डुलिपि प्रकाशन, नई दिल्ली, 1976.

22. सिंह, डॉ. राम विनोद. नौंवे दशक के हिन्दी उपन्यास, अनुपम प्राकाशन, पटना–4, 1994.

23. सिंह, डॉ. त्रिभुवन. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, 1978.

24. सिंह, डॉ. उमेश प्रसाद. स्वातंत्रयोत्तर हिंदी उपन्यास : बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में, शिक्षा निकेतन, सुड़िया, वाराणसी, 1988.

25. सिंहल, शशिभूषण. हिंदी उपन्यास – बदलते संदर्भ, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली 1979.

26. सिंहल, शशिभूषण. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, ऋषभचरण जैन एवं समिति, दिल्ली, 1984.

27. सिन्हा, डॉ. सुरेश. उपन्यास : शिल्प और प्रवृत्तियाँ, रामा प्रकाशन, लखनऊ, 1965.

28. सिन्हा, डॉ. सुरेश. हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1961.

29. सोनटक्के, माधव. हिन्दी साहित्य का इतिहास, कानपुर : विकास प्रकाशन, 1992.

30. डॉ. सुभद्रा. हिन्दी उपन्यास – परंपरा और प्रयोग, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली, 1974.

31. टंडन, प्रतापनारायण. हिन्दी उपन्यास : तीन दशक, नई दिल्लीः अभिनव प्रकाशन, 1983.

32. वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर. हिन्दी उपन्यास – उपलब्धियाँ, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974.

शोध निर्देशक
डॉ. बलजीत कौर
प्राध्यापक (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव
तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शोध छात्रा
श्रीमती संगीता पाटिल
शास. विश्वनाथ यादव
तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
डॉ सुशील तिवारी
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्वशासी स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)